प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 18.09.2017

2018 में अयोध्या में शुरू होगा गुरुकुल

प्रबन्धकों एवं शिक्षकों से गुरुकुल शिक्षा प्रचार प्रसार के लिए

भारतीय शिक्षण मण्डल ने मांगा सहयोग

भारतीय शिक्षण मण्डल, विश्वविद्यालय इकाई, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद द्वारा विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन में ''वर्तमान शैक्षिक परिवेश में गुरुकुल शिक्षण पद्धति की सार्थकता'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसका शुभारम्भ मुख्य वक्ता माननीय मुकुल कानिटकर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, आचार्य दीपक कोइराला, राष्ट्रीय सह प्रमुख गुरुकुल प्रकल्प, अहमदाबाद, माननीय ओमप्रकाश सिंह, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल एवं संगोष्ठी के अध्यक्ष माननीय कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, कार्यक्रम के संचालक प्रो0 आर0एन0 राय, प्रो0 आर0के0. सिंह, एवं डॉ0 दिलीप सिंह, महामंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा माँ सरस्वती के मूर्ति पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। विश्वविद्यालय के छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना के पश्चात माननीय कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित द्वारा मुख्य वक्ता माननीय मुकुल कानिटकर, आचार्य दीपक कोइराला, ओमप्रकाश सिंह का अतिथि परिचय, स्वागत एवं अध्यक्षीय उद्‌बोधन किया गया। कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने संगोष्ठी के उपयोगिता एवं इस विषय को सार्थक एवं सफल बनाने हेतु सभी उपस्थित महानुभाओं से प्रयास की जोरदार आह्वान किया। राष्ट्रीय सह प्रमुख गुरुकुल प्रकल्प, आचार्य दीपक कोइराला ने गुरुकुल पद्धति के विभिन्न आयामों, इस पद्धति की उपयोगिता, सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास एवं इस शिक्षा से रोजगार की सम्भावनायें विषय पर रोचक प्रसंगों एवं उद्धारणें से विस्तार में बताया। इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता माननीय मुकुल कानिटकर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल ने गुरुकुल शिक्षण पद्धति को मूर्तरूप देने हेतु यहां उपस्थित विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षा के प्रमुख अंग प्रबन्धकों से इस पुनीत एवं गुरुकुल के साथ भारतीयता को सार्थक एवं सफल बनाने का अनुरोध किया। मुकुल कानिटकर ने कहा कि इस पद्धति के द्वारा भारत के नौजवानों में संस्कार, कार्यकुशलता, अच्छे मानसिकता का विकास एवं भारतीयता की प्रमुख पहचान वसुधैव कुटुम्बकम एवं मानवीयता का विकास होगा। भारतीय शिक्षण मण्डल के प्रयास संभवतः अयोध्या में 16वें गुरुकुल की स्थापना हो सकेगी। संगोष्ठी का संचालन प्रो0 आर0एन0 राय द्वारा सुमधुर द्वारा एकल गीत एवं वन्दे मातरम का गायन एवं प्रो0 आर0 के0 सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस संगोष्ठी में प्रमुख रूप से डॉ0 दिलीप सिंह, महामंत्री, भारतीय शिक्षण मण्डल, डॉ0 एच0बी0 सिंह, पूर्व प्राचार्य, का0 सु0 साकेत महाविद्यालय, अयोध्या, प्रो0 राम लखन सिंह, प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 राज कुमार तिवारी, प्रो0 रमापति मिश्र, डॉ0 महेन्द्र पाठक, डॉ0 अशोक राय, डॉ0 अजय कुमार सिंह, डॉ0 देवा नन्द तिवारी, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, अखिल विद्याथी परिषद, डॉ0 महेन्द्र सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, अमित जायसवाल, सर्वेन्द्र वर्मा, डॉ0 प्रज्ञा मिश्रा डॉ0 वन्दिता पाण्डेय एवं भारतीय शिक्षण मण्डल के स्थायी सदस्य, वार्षिक सदस्य एवं बड़ी संख्या में माननीय प्रबन्धक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रो0 आर0एन0 राय

एम0बी0ए0 विभाग